Language Code : **16**

इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This booklet contains **16** Printed pages.

# JSS-24-I

**प्रश्न-पत्र-I / PAPER-I**
**संस्कृत भाषा परिशिष्ट**
**Sanskrit Language Supplement**
**भाग-IV & V / PART-IV & V**

**मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या / Main Test Booklet No.**

**मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड / Main Test Booklet Code**

**C**

**इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।**
**Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.**
**इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।**
**Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.**

**संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें। / FOR INSTRUCTIONS IN SANSKRIT SEE PAGE 2 OF THIS BOOKLET.**

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **C**। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग-IV : भाषा-I (संस्कृत) (प्र. 91 से प्र. 120)
   भाग-V : भाषा-II (संस्कृत) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा-I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

## INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **C**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
   Part-IV : Language-I (Sanskrit) (Q. 91 to Q. 120)
   Part-V : Language-II (Sanskrit) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Name of the Candidate (in Capitals) :

अनुक्रमांक : (अंकों में) / Roll Number : in figures ____________________
: शब्दों में / in words ____________________

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Centre of Examination (in Capitals) :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : ____________________ निरीक्षक के हस्ताक्षर : ____________________
Candidate's Signature : Invigilator's Signature :

Facsimile Signature Stamp of
Centre Superintendent : ____________________

Language Code : **16**

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति।

# JSS-24-I

**प्रश्नपत्रम् I**

**संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्**

**भागः IV च V**

**परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्**

**C**

**यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।**

**अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः ( पृष्ठे 15 एवं 16 ) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः।**

***परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः***

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टम् तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV ( भाषा I ) भागस्य **अथवा** V ( भाषा II ) भागस्य परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न** तु **द्वयोः भागयोः**।
2. परीक्षार्थिभिः I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं नील (Blue/Black)-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः।
5. अस्याः भाषा-पुस्तिकायाः संकेतकं **C** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् उत्तरपत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट-परीक्षापुस्तिकाम् ददातु इति।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्तः - IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति :

   **भागः IV : भाषा I - ( संस्कृत )** *(प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)*

   **भागः V : भाषा II - ( संस्कृत )** *(प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)*
7. **IV** भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति। अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् संस्कृतभाषया सम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षापुस्तिका याचनीया। यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V ( भाषा II ) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I ( भागे IV ) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात्।**
9. रफ़-कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः।

परीक्षार्थिनः नाम : ____________________

अनुक्रमाङ्कः : अङ्केषु : ____________________

: शब्देषु : ____________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ____________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ____________________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ____________________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ____________________

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य Part-IV** प्रश्नानाम् **( प्र.सं. 91-120 )** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा**रूपेण **Language-I** चितम् ।

Candidates should attempt the questions from **Part-IV (Q.No. 91-120)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-I** only.

→

## PART–IV

## LANGUAGE–I

## SANSKRIT

| अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य (Part-IV)** प्रश्नानाम् **( प्र.सं. 91-120 )** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा**रूपेण **(Language-I)** चितम्। |
|---|

**निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा नवप्रश्नानाम् (91 – 99) उत्तराणि यथोचितं विकल्पं चित्वा देयानि –**

संस्कृतभाषा भारतवर्षस्य संस्कारभाषा। भारते संस्कृत–भाषायाः प्रतिदिनं विविधसंस्कारकार्येषु प्रयोगः भवति। एतस्याः अनेकासु विशेषतासु इयम् अन्यतमा विशेषता यत् अस्याः वाङ्मये विद्यमानाः सूक्तयः अभ्युदयाय प्रेरयन्ति। अत एव वयं भारत–प्रशासनस्य विभिन्नेषु विभागेषु ध्येय–वाक्य–रूपेण एतेषां प्रयोगं पश्यामः।

एतत् चित्रं पश्यत। एतत् भारतशासनस्य राजचिह्नमस्ति। अत्र 'सत्यमेव जयते' इत्येषः संस्कृतपद्यांशः लिखितः अस्ति। भारतशासनस्य मुद्रायामङ्कितमिदं संस्कृतस्य महत्त्वमुद्भावयति।

जीवनबीमानिगमस्य चित्रे द्वयोः हस्तयोः मध्ये एकः दीपः अस्ति। अधः च 'योगक्षेमं वहाम्यहम्' इति लिखितम्। श्रीमद्भगवद्गीतायाः अयं पद्यांशः अस्य शोभां द्विगुणयति।

भारतीयवायुसेनायाः चिह्ने विमानं वर्तते। तत्र लिखितं वायुसेनायाः ध्येयवाक्यम 'नभः–स्पृशं दीप्तम्' संस्कृत–भाषायाः गौरवगाथां प्रकटयति।

हरियाणा–शासनस्य राज्यचिह्नस्य चित्रे अपि श्रीमद्भगवद्गीतायाः 'योगः कर्मसु कौशलम्' इत्ययं श्लोकांशः जनान् प्रेरयति। लोकसभाध्यक्षस्य आसनस्योपरि अपि सर्वोच्चस्थाने उल्लिखिता अस्ति–'धर्मचक्र–प्रवर्तनाय' इति संस्कृतवाक्यम्। लोकसभायाः केन्द्रीयसभातलस्य भित्तिकायां 'अयं निजः परो वेति' सुप्रसिद्धः संस्कृत–श्लोकः लिखितः अस्ति। डाक–तार–विभागस्य ध्येयवाक्यम्–'अहर्निशं सेवामहे' अतीव उपयुक्तमस्ति। यतः अस्य विभागस्य कार्यं दिने रात्रौ च निरन्तरं चलति।

पश्यत, इदं 'राष्ट्रीयशैक्षिकानुसन्धानप्रशिक्षण–परिषद्' इत्यस्य ध्येय–वाक्यं 'विद्ययाऽमृतमश्नुते' संस्कृतभाषायाम् एव अस्ति।

अन्ये चापि बहवः भारतशासनस्य विभागाः सन्ति येषु संस्कृतध्येय–वाक्यानि स्वीकृतानि सन्ति। अलमतिविस्तरेण। एतेन सुस्पष्टं भवति यत् संस्कृतभाषा भारतस्य जीवनभूता। भारते भाति भारती।

**91.** संस्कृत वाङ्मयस्य सूक्तय कस्मै प्रेरयन्ति ?

(1) नियमानुपालनाय (2) अनुशासनाय (3) अभ्युदयाय (4) मानवज्ञानाय

**92.** गद्यांशे प्रयुक्तस्य 'अन्यतमा' इत्यस्य कोऽर्थः ?

(1) विशिष्टा (2) सर्वमान्या (3) द्वितीया (4) सर्वोत्तमा

**93.** 'गौरवगाथा' इत्यस्मिन् पदे कः समासः, सविग्रहम् नाम दीयताम् :

(1) गौरवाय गाथा – चतुर्थी तत्पुरुषः (2) गौरवं च गाथा च – द्वन्द्व तत्पुरुषः

(3) गौरवात् गाथा – पञ्चमी तत्पुरुषः (4) गौरवस्य गाथा – षष्ठी तत्पुरुषः

**94.** 'वहाम्यहम्' इत्यस्मिन् पदे कः सन्धिः ?

(1) यण्सन्धिः (2) दीर्घसन्धिः (3) गुणसन्धिः (4) अयादिसन्धिः

**95.** 'सत्यमेव जयते' वाक्यम् कुत्र मुद्रितम् अस्ति ?

(1) भारतीयवायुसेनायाः विमाने (2) लोकसभाध्यक्षस्य आसनस्योपरि

(3) जीवनबीमानिगमस्य मुद्रायाम् (4) भारतशासनस्य मुद्रायाम्

96. संस्कृतभाषा भारतवर्षस्य कीदृशी भाषा वर्तते ?

(1) संस्कार भाषा (2) गौरव भाषा (3) अभ्युदय भाषा (4) प्रेरणा भाषा

97. निम्नलिखितेषु 'कल्याण' अर्थे गद्यांशं कः शब्दः प्रयुक्तः ?

(1) अभ्युदयः (2) कौशलम् (3) योगक्षेमः (4) गौरवम्

98. 'मुद्रायाम्' इत्यस्मिन् प्रयोगे का विभक्तिः, किम् च वचनम् अस्ति ?

(1) चतुर्थी - एकवचनम् (2) सप्तमी - एकवचनम्
(3) द्वितीया - एकवचनम् (4) षष्ठी - बहुवचनम्

99. 'नभः स्पृशं दीप्तम्' कस्य ध्येये-वाक्यम् अस्ति ?

(1) हरियाणाशासनस्य राज्यचिह्नम् (2) डाकतार विभागस्य
(3) भारतीयवायुसेनायाः (4) जीवनबीमानिगमस्य

**निम्नलिखितानि पद्यानि पठित्वा षट् (100 - 105) प्रश्नानाम् उत्तराणि यथोचितं विकल्पं चित्वा देयानि -**

खलः सर्षपमात्राणि परच्छिद्राणि पश्यति।
आत्मनो बिल्वमात्राणि पश्यन्नपि न पश्यति॥ 1॥

सर्पदुर्जनयोर्मध्ये वरं सर्पो न दुर्जनः।
सर्पो दशति कालेन दुर्जनस्तु पदे पदे॥ 2॥

चन्दनं शीतलं लोके चन्दनादपि चन्द्रमाः।
चन्द्रचन्दनयोर्मध्ये शीतला साधुसङ्गतिः॥ 3॥

वृथा वृष्टिः समुद्रेषु वृथा तृप्तस्य भोजनम्।
वृथा दानं समर्थस्य वृथा दीपो दिवापि च॥ 4॥

शरदि न वर्षति गर्जति, वर्षति वर्षासु निःस्वनो मेघः।
नीचो वदति न कुरुते, न वदति सुजनः करोत्येव॥ 5॥

100. साधुसङ्गतिः कस्मात् शीतला अस्ति ?

(1) चन्द्रचन्दनयोः उभाभ्याम् (2) शरदृतोः
(3) चन्दनात् (4) चन्द्रमसः

101. 'चन्द्रचन्दनयोः' इत्यस्मिन् पदे कः समासः ?
सविग्रहं नामनिर्देशनम् क्रियताम्।

(1) चन्द्रचन्दनयोः भावः-षष्ठी-तत्पुरुषः
(2) चन्द्राय च चन्दनाय च ताभ्याम् प्रदानम्-चतुर्थी तत्पुरुषः
(3) चन्द्रश्च चन्दनश्च तयोः तुलना-द्वन्द्व समासः
(4) चन्द्रस्य च चन्दनस्य च तयोः समाहारः-इतरेतरद्वन्द्वः

102. सर्पदुर्जनयोर्मध्ये किम् वरम् ?

(1) वृश्चिकः (2) सज्जनः (3) दुर्जनः (4) सर्पः

103. 'शरदि' इत्यस्मिन् शब्दे का विभक्ति, किम् वचनम् ?

(1) द्वितीया - द्विवचनम् (2) पञ्चमी - एकवचनम्
(3) द्वितीया - एकवचनम् (4) सप्तमी - एकवचनम्

**104.** खल: आत्मन: कीदृशानि छिद्राणि न पश्यति?

(1) बिल्वमात्राणि (2) नारिकेलमात्राणि (3) अदृष्टानि (4) सर्षपमात्राणि

**105.** 'नि:स्वनो मेघ:' अत्र 'निस्वनो' पदम् किम् अस्ति?

(1) विशेषणम् (2) क्रिया (3) क्रिया विशेषणम् (4) संज्ञा

**106.** __________ एक: अधिगमस्य प्रकारोऽस्ति यस्मिन् बालक: उच्चतरां मानसिकप्रक्रियां, यथा प्रतिभां (Intelligence), तर्कशक्तिं प्रयोक्तुम् अपेक्ष्यते।

(1) यान्त्रिक (Motor) कौशल – अधिगम: (2) संरचना – अधिगम:

(3) मौखिक – अधिगम: (Verbal) (4) विचारनिर्माण – अधिगम:

**107.** निम्नलिखितेषु कक्षा-अभ्यासेषु छात्रेषु मौखिकभाषाया: विकासार्थं कतम: अभ्यास: अध्यापकस्य सहायतां करोति?

(1) अभिनयेषु भाग – ग्रहणम् (2) नवीनानाम् अथवा अपरिचितशब्दानां शुद्ध-उच्चारणस्य अभ्यास:

(3) अध्यापकेन सह समूहे पठनम् (4) कवितां कण्ठस्थीकृत्य समूहे पठनम्

**108.** भवान् हिन्दीभाषी अध्यापक: अस्ति। परन्तु भवान् पंजाबप्रान्तस्य प्राथमिक विद्यालये नियुक्तो भवति। यत: भवान् तत्क्षेत्रस्य स्थानीय भाषां न जानाति। भवता किं करणीयम्?

(1) आंग्लभाषायां संवाद: करणीय:

(2) समाज: हिन्दीभाषां: शिक्षितुं प्रेरयितव्य:

(3) तत्कालमेव हिन्दीभाषिक्षेत्रे प्रेषितुं निवेदनं कर्त्तव्यम्

(4) बालकस्य भाषा साधनरूपे प्रयोक्तव्य: तथा च अध्यापनं प्रारब्धव्यम्

**109.** पाठ्यपुस्तकस्य विषये निम्नलिखितेषु किं कथनम् सत्यम् अस्ति?

(1) सत्राय शैक्षणिक क्रिया-कलापानां पाठ्यपुस्तकं योजना अस्ति।

(2) पाठ्यपुस्तकस्य स्थानापन्नं भवितुं न अर्हति।

(3) छात्रेभ्य: अध्यापकाय च पाठ्यपुस्तकं अन्तिमं साधनम् अस्ति।

(4) पाठ्यचर्यायां निर्धारितउद्देश्यानां प्राप्त्यै सहायतां करोति।

**110.** अध्यापकरूपेण भवान् समग्र भाषाप्रयोगाय छात्रस्य प्रशंसां करोति, यद्यपि तेन केषाञ्चित् शब्दानां वर्तनी अशुद्धा लिखिता। अत्र स्वकक्षायां भवान् कं उपागमं प्रयुङ्क्ते?

(1) निर्माणात्मकं उपागमम् (2) संरचनात्मकं उपागमम्

(3) समग्रं भाषा उपागमम् (4) सम्प्रेषणात्मकं उपागमम्

**111.** कक्षायां मातृभाषाया: अप्रयोग: कस्य प्रविधे: विशेषता अस्ति?

(1) श्रवणभाषीयताया: (2) प्रत्यक्षस्य (3) प्राकृतिकस्य (4) द्विभाषीयताया:

**112.** पञ्चमीकक्षाया: अध्यापकरूपेण भवान् छात्रान् पाठ्यं सम्पूर्णतया पठितुं कथयति। तदा भवान् तान् सप्रसङ्गं प्रश्नान् उत्तरयितुं कथयति। अस्यां प्रक्रियायां भवान् छात्रान् प्रेरयति __________।

(1) विहंगमदृष्टिपाताय (Skimming)

(2) गहनपठनाय

(3) विस्तृत – पठनाय (Extensive Reading)

(4) क्रमवीक्षणाय (Scanning)

**113.** __________ अर्थावबोध: पाठ्यात् विशेष सूचनां निगृहीतुं पाठ्यांशं निकटतया गहनतया वा पठनस्य कौशलम् अस्ति।

(1) अनुमेय: (Inferential) (2) मूल्याङ्कनक्षम: (Evaluative)
(3) वैश्विक: (4) स्थानीय:

**114.** भाषा अधिग्रहणं तदैव भवति, यदा __________।

(1) बालक: पठितुं अवसरम् दीयते। (2) बालक: भाषाया: साक्षात्कारं करोति।
(3) बालक: व्याकरणनियमान् शिक्ष्यते। (4) बालक: अनुवादे अभ्यासम् कार्यते।

**115.** व्याकरणपाठनस्य निगमनात्मक-उपागम: समर्थयति यद् अस्माभि: प्रथमत: -

(1) उपयुक्तं सम्प्रेषणं कर्त्तव्यम् (2) सततं आवृत्तिभि: अभ्यास: करणीय:
(3) उदाहरणानि प्रस्तौतव्यानि (4) नियमा: प्रस्तौतव्या:

**116.** यदा वयं कथयाम: यत् भाषा स्वच्छन्दा अस्ति, तदा अस्माकम् आशय: अस्ति -

(1) भाषाया: शब्दार्थयो: सम्बन्ध: अन्तर्हित: नास्ति।
(2) भाषा पूर्वनिर्धारितान् सम्बन्धान् अनुकरोति।
(3) भाषाया: शब्दानां तेषां अर्थै: सह अन्तव्यप्तिसम्बन्धोऽस्ति।
(4) शब्दार्थयो: मध्ये सम्बन्ध: केनापि औचित्यपूर्ण कारणेन भवति यादृच्छिक: न।

**117.** भाषाशिक्षकेण छात्रा: स्वतन्त्रलेखनाय प्रेरयितव्या: यत: स्वतन्त्रलेखनस्य मुख्यलाभोऽस्ति -

(1) छात्रा: एतदनुभवं न कुर्वन्ति यत् ते अधिकं सर्वत: शुद्धं वा लिखेयु:।
(2) ते स्वकीय प्रथमभाषाया: लिखितभाषाया: विशेषता: स्वलेखने प्रयोक्तुं शक्नुवन्ति।
(3) एतत् छात्रान् सप्रवाहं मौलिकलेखनाय प्रेरयति।
(4) लेखितुं न लेखितुं वा छात्रा: स्वतन्त्रा: भवन्ति।

**118.** कश्चिद् बालक: कस्मिन्नपि शीर्षके विचारोत्तेजने सत्यपि स्वयमेव कमपि परिच्छेदं लेखितुं न समर्थ:। परन्तु स कस्यापि प्रौढजनस्य, सहपाठिन: वा परामर्शेन एतल्लिखितुं समर्थो भवति। एष: परामर्श: कथ्यते __________।

(1) सहपाठि - परामर्श: (Peer - Counselling)
(2) समूहे (Team) अध्यापनम्
(3) सोपाननिर्माणम् (Scaffolding)
(4) सहपाठि - अध्यापनम् (Peer - teaching)

**119.** __________ तथ्येभ्य: परं अनुमातुं कल्पयितुं वा प्रक्रिया अस्ति।

(1) निष्कर्षणम् (Inference) (2) बहिर्वेशनम् (Extrapolation)
(3) व्याख्यानम् (Explanation) (4) विश्लेषणम् (Analysis)

**120.** भाषाशिक्षणे निदानात्मक परीक्षाया: उद्देश्यम् किम् अस्ति ?

(1) छात्रस्य बोधगम्यतायां कारणानां ज्ञानं तेषां समाधानं च।
(2) प्राप्ते: विवरणं छात्राणां प्रोन्नतिपत्रे लेखनम्।
(3) समेकित-मूल्यांकनाय योजनानिर्माणं प्रश्नानां च सज्जीकरणम्।
(4) मातापितृ-अध्यापक-मेलने पितरौ सूचनाप्रदानम् अवधानं च दातुं प्रेरणम्।

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य Part-V** प्रश्नानाम् **( प्र.सं. 121-150 )** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा Language-II** रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q.No. 121-150)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-II** only.

## PART-V

## LANGUAGE-II

## SANSKRIT

| |
|---|
| अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य (Part-V)** प्रश्नानाम् **( प्र.सं. 121-150 )** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा (Language-II)** रूपेण चितम्। |

**निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा अष्टप्रश्नानां (121 – 128) उत्तराणि विकल्पेभ्यः चित्वा दीयन्ताम्।**

एकस्मिन् अरण्ये कश्चन सिंहः प्रतिवसति स्म। एकदा सः सुप्तः आसीत्। तदा एकः मूषकः तस्य केसरान् अकृन्तत्। प्रबुद्धः सिंहः स्वकेसरान् छिन्नान् अपश्यत्। सः अचिन्तयत् – ''अहो, मम केसराः कृन्ताः। नूनं मूषकस्य कार्यमेतत्। किं करवाणि? भवतु, एवं करिष्यामि। मार्जारः मूषकस्य शत्रुः, अतः कमपि मार्जारं पालयामि। सः मूषकं भक्षयिष्यति'' इति।

सः सिंहः ग्राममगच्छत्। मार्गे कमपि मार्जारमपश्यत्। तस्य समीपं गत्वा सिंहः एवमवदत् – ''भो मित्र मार्जार, मम गृहे कश्चन मूषकः प्रतिवसति। सः सुप्तस्य मम केसरान् कृन्तति, एतं निवारय। त्वं मया सह वस। अहं ते प्रभूतमाहारं दास्यामि'' इति। मार्जारः अकथयत् – ''यथा आदिशति भवान्। अहं त्वया सह वत्स्यामि।''

सिंहः माजरिण सह गुहामगच्छत्। तदा मार्जारः – 'मित्र, अहं क्षुधया पीडितः अस्मि। मह्यमाहारं प्रयच्छ' इत्यकथयत्। सिंहः तस्मै मांसादिकमयच्छत। एवं मार्जारः तत्र सुखमवसत्।

मूषकः मार्जारात् भीतः बिलाद् बहिः नागच्छत्। अतः सिंह मूषकाद् भयं विना सुखेन – कालमनयत्।

मूषकः बिलस्यान्तः आहारं विना क्षीणः अभवत्। क्षुधया सः अचिन्तयत् – 'किं करवाणि? आहारं विना कथं जीवामि। यदि बिलाद् बहिः गच्छामि तर्हि मार्जारः मां पश्यति। अतः अन्धकारे बहिः गत्वा आहारमन्विष्यामि' इति।

मूषकः रात्रौ बिलाद् निरगच्छत्। मार्जारः तमपश्यत्। सद्यः तं गृहीत्वा सिंहमवदत् – ''भो मृगराज, पश्य तव शत्रुः अयं गृहीतः। अलमिदानीं चिन्तया। आवां सुखेन वसावः'' इत्युक्त्वा खादति स्म।

सिंहः अचिन्तयत् – 'इदानीमनेन माजरिण न मे प्रयोजनम्। अतः परमस्मै भोजनं न दास्यामि' इति। ततःपरं सिंहः मार्जारायाहारं नायच्छत्। एकदा क्षुधया पीडितः मार्जारः सिंहमकथयत् – ''मित्र, भवान् स्ववचनं स्मरतु। मह्यमाहारं प्रयच्छतु'' इति।

सिंहः – ''मूर्ख, त्वया न मे प्रयोजनम्। गच्छ यथेष्टम्। न किञ्चिदपि स्मरामि''।

मार्जारः – ''एवम्। अस्तु। कृतघ्न, महत्पापं करोषि यत्स्वयमेव कृतां प्रतिज्ञां विस्मरसि''।

तदाकर्ण्य क्रुद्धः सिंहः मार्जारं हन्तुमुद्यतः। भीतः मार्जारः वृक्षमारुह्य अवदत् –

**विश्वासो नैव कर्तव्यो मधुरासु खलोक्तिषु।**

**121.** 'अरण्य' शब्दस्य निम्नलिखितेषु कः पर्यायवाची?

(1) निर्गमनम् (2) दुर्गमनम् (3) दुर्गमः (4) काननम्

**122.** 'अन्विष्यामि' इत्यस्य सन्धिविच्छेदं कुरुत –

(1) अन्विष् + यामि (2) अन्वि + इष्यामि (3) अन्व् + इष्यामि (4) अनु + इष्यामि

**123.** 'क्षीणः' इत्यस्य शब्दस्य कोऽर्थः?

(1) संकटग्रस्तः (2) अप्रसन्नः (3) मृतः (4) दुर्बलः

**124.** 'निरगच्छत्' इत्यस्मिन् पदे क: लकार: ?

(1) ऌङ् (2) विधिलिङ् (3) लङ् (4) लुङ्

**125.** 'अहं ते प्रभूतमाहारं दास्यामि' गद्यांशे कथनमिदं कस्य अस्ति ?

(1) मार्जारस्य (2) पथिकस्य (3) मूषकस्य (4) सिंहस्य

**126.** मूषक: सिंहेन सह किम् अकुर्वत् ?

(1) मूषक: सुप्तस्य सिंहस्य नासिकां अकृन्तत्
(2) मूषक: सिंहस्य निद्रां भग्नां अकरोत्।
(3) मूषक: सिंहस्य केसरान् अकृन्तत्
(4) मूषक: सिंहस्य कर्णे प्राविशत्

**127.** निम्नलिखितं कथनं गद्यांशे कस्य अस्ति ?

''अलम् इदानीं चिन्तया। आवाम् सुखेन वसाव:''

(1) पक्षिण: (2) सर्पस्य (3) सिंहस्य (4) मार्जारस्य

**128.** मूषकात् अप्रसन्न: सिंह: किम् अकुर्वत् ?

(1) सिंह: मार्जारम् मित्रम् अकरोत्
(2) सिंह: मार्जारं अभारयत्
(3) सिंह: मार्जारं गुहायाम् आनयत्
(4) सिंह: मार्जारम् अताडयत्

**निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा सप्तप्रश्नानाम् (129 – 135) उत्तराणि उचितं विकल्पं चित्वा देयानि।**

आदिगुरो: शङ्कराचार्यस्य जन्म केरलप्रान्ते कालडीनामके ग्रामे अभवत्। अस्य पितु: नाम शिवगुरु: आसीत्। अस्य जन्मन: प्रागेव स: दिवंगत:। माता आर्याम्बा एवास्य पालनमकरोत्। जन्मनैव प्रतिभासम्पन्नतया स कुलोचिता: विद्या: शीघ्रमेव अधीतवान्। मनसा, वचसा कर्मणा च विरक्त: शङ्कर: मातरं संन्यासस्यानुमतिम् अयाचत्। पुत्रस्नेहपरवशा सा शङ्करस्य इमां प्रार्थनां न स्वीकृतवती।

एकदा शङ्कर: नद्यां स्नातुं गत:। तत्र नक्रेण गृहीत: स उच्चै: आक्रोशत्। आक्रोशं श्रुत्वा माता नदीतीरं गता पुत्रं च नक्रेण गृहीतम् अपश्यत्। शङ्कर: अवदत् – ''अम्ब! यदि संन्यासं ग्रहीतुं मामनुमंस्यसे तर्हि अहं नक्रात् मुक्तो अनिच्छन्त्यपि माता – ''वत्स यथा तुभ्यं रोचते तथा कुरु'' इति कष्टेनाकथयत्। एतच्छ्रुत्वा शङ्कर: नक्रात् नद्या: बहिर्निर्गत्य मातु: चरणयो: प्रणामं कृत्वा स: अवदत्, ''मात:! यद्यपि साय तथापि यदैव त्वं मां स्मरिष्यसि तदैव उपस्थितो भविष्यामि।'' एवं निरगच्छत्।

अथ परिव्राजकै: सह देशाद्देशं पर्यटन् शङ्कर: काश्यां गोविन्दपादाचार्येभ्य: वेदान्तविद्यामधीतवान्। अनन्तरं मुख्यानाम् उपनिषदाम्, ब्रह्मसूत्राणां श्रीमद्भगवद्गीतायाश्च भाष्याणि अरचयत्। अनेन विरचितानि बहूनि स्तोत्रकाव्यान्यपि सन्ति येषु भजगोविन्दस्तोत्रम् अतीव लोकप्रियमस्ति।

एवं मन्यते यत् मरणासन्ना माता यदैवास्य स्मरणं अकरोत् तदैवायं तत्समीपं आगच्छत्। दिवंगतायां मातरि संन्यस्तोऽपि स: पुत्रोचितं सर्वं कृत्यं सम्पादितवान्। तत: सर्वत: परिभ्रमन्स जनेभ्य: अद्वैतवेदान्तसिद्धान्तस्य ज्ञानमुपदिष्टवान्। अस्मिन्नेव प्रचारक्रमे स द्वारिकायां, बदर्यां, जगन्नाथपुर्यां, शृङ्गेर्यां च चतुर: मठान् समस्थापयत्। अन्ते च द्वात्रिंशे एव वयसि ब्रह्मभावम् उपगत:।

**129.** 'पर्यटन्' अस्मिन् पदे क: प्रत्यय: ?

(1) शानच् (2) वनिप् (3) अन् (4) शतृ

130. शङ्कराचार्यस्य जन्म कस्मिन् प्रान्तेऽभवत्?

(1) महाराष्ट्रे (2) केरलप्रान्ते (3) कर्नाटकप्रान्ते (4) कालडीप्रान्ते

131. शङ्कराचार्यः मातरं काम् अनुमतिम् अयाचत्?

(1) शङ्करः मातरं यात्रायां तेन सहगमनस्य अनुमतिम् अयाचत्

(2) शङ्करः मातरं भारतभ्रमणस्य अनुमतिम् अयाचत्

(3) शङ्करः मातरं वेदाध्ययनस्य अनुमतिम् अयाचत्

(4) शङ्करः मातरं संन्यासस्यानुमतिम् अयाचत्

132. 'अधीतवान्' इत्यस्य पदस्य कोऽर्थः?

(1) चिन्तितवान् (2) गतवान् (3) गृहीतवान् (4) पठितवान्

133. नद्यां शङ्कराचार्यः केन गृहीतः?

(1) दस्युना (2) महिषेण (3) मत्स्येन (4) नक्रेण

134. 'उपदिष्टवान्' अस्मिन् पदे कः प्रत्ययः?

(1) वति (2) तव्यः (3) क्तवतु (4) वतुप्

135. शङ्कराचार्यस्य पितुः नाम क आसीत्?

(1) सान्दीपिनी गुरुः (2) शिवगुरुः (3) राजगुरुः (4) देवगुरुः

136. 'प्रदूषण' विषये पाठयोजनायाः निर्माणे भवताम् प्रथमकार्यं किं भविष्यति?

(1) सहायकां पाठ्य-सामग्रीचयनम्
(2) उद्देश्य निर्माणम्
(3) परिचयात्मक प्रश्नानां निर्माणम्
(4) शीर्षकाणां बहुवारम् अध्ययनम्

137. कश्चिद् अध्यापकः समूहचर्चा सहयोगिनः अन्तः सम्पर्कं च कक्षायां प्रोत्साहयति। सःकक्षायां कम् उपागमं प्रयुनक्ति?

(1) संरचनात्मकम् (2) निर्माणात्मकम् (3) पारम्परिकम् (4) धार्मिकम्

138. कश्चिद् अध्यापकः स्वछात्रान् 'जलम्' इति विषयम् अवलम्ब्य परिच्छेदं लेखितुं आदिशति। तदा छात्राः चर्चां कर्तुं प्रारभन्ते यत् तैः विज्ञानकक्षासु तथा समाजशास्त्रकक्षासु किम् शिक्षितम्। तदा ते 'जलम्' इति विषयमवलभ्ब्य परिच्छेदं लिखन्ति। एतद् कस्य उदाहरणम् अस्ति?

(1) पाठ्यचर्यान्तर्गतायाः भाषायाः
(2) सम्प्रेषणात्मक - उपागमस्य
(3) प्रयोगे भाषायाः
(4) विज्ञानस्य भाषायाः

**139.** छात्राः सर्वाधिकप्रभाविरूपेण भाषां तदा शिक्षन्ते, __________

(1) यदा ते अन्तर्बाधापीडिताः सन्ति।

(2) यदा ते प्रेरिताः भवन्ति।

(3) यदा तेषां अध्यापकः सक्षमः भाषाशिक्षकोऽस्ति।

(4) यदा तेषां उत्तमं पाठ्यपुस्तकम् अस्ति।

**140.** यदा भवान् पाठयितुं गच्छति, भवान् प्राप्नोति यत् पाठ्यपुस्तकं कविताभिः, चित्रकथाभिश्च प्रारभते तथा वर्णमालायां समाप्नोति। भाषा-बालशिक्षायाम् अयम् उपागमः कीदृशः अस्ति ?

(1) विभिन्नधर्मदर्शन - उपागमः

(2) सौन्दर्यबोधकः उपागमः

(3) अधः - ऊर्ध्वम् उपागमः (Bottom up)

(4) ऊर्ध्वाधः उपागमः (Top Down)

**141.** अद्य राजूः अतिप्रसन्नः अस्ति, यतः स विद्यालयं गच्छति। स विद्यालयम् आगन्तुं स्वपरिवारे प्रथमः अस्ति। तस्य परिवारे इतः पूर्वं कश्चिदपि जनः तस्य पितरौ अपि, कस्मिन्नापि विद्यालये न पञ्जीकृतः। एवं राजूः __________ अस्ति।

(1) उपेक्षितछात्रः
(2) अल्पसंख्यकछात्रः
(3) प्रथमकुलछात्रः
(4) द्वितीयकुलछात्रः

**142.** स्वकक्षायां कालं शिक्षयितुं भवान् एकस्यैव जनस्य द्वयोः चित्रयोः प्रयोगं करोति। एकं चित्रं पञ्चदशवर्षपूर्वं अङ्कितम्। द्वितीयं चित्रं इदानीम् एव। भवान् कक्षायां तस्य वर्तमानकाले, भूतकाले च चर्चाम् प्रारभते - तस्य आकृतिविषये, स्वभावविषये। इदानीम् भवान् प्रयोगं करोति __________।

(1) बालशिक्षाव्याकरणम्
(2) नियमबद्धं व्याकरणम्
(3) निर्देशात्मकम् व्याकरणम्
(4) संरचनात्मकं व्याकरणम्

**143.** कश्चिद् अध्यापकः वास्तविकजीवनपदार्थान् यथा छत्रम्, वृष्टिरोधकम् (Raincoat), कीलव्यावर्तकम् (Screw Driver) आदीन् कक्षायाम् आनयति। स छात्रान् द्वित्रिवाक्येषु पदार्थान् विवृणोतुं कथयति। यां सामग्रीं अध्यापकः कक्षायां आनयति सा पारिभाषिक शब्दावल्या किं कथ्यते ?

(1) यन्त्राणि
(2) वास्तविकपदार्थाः (Realia)
(3) भाषा-निवेशः
(4) अध्यापन यन्त्राणि

**144.** छात्राः समस्यानां समाधानं सामूहिकरूपेण युगले, समूहे वा कुर्वन्ति। एषा विशेषतः निम्नलिखितेषु कस्य वर्तते ?

(1) समग्र-भाषा-उपागमस्य
(2) संरचनात्मक-उपागमस्य
(3) सम्प्रेषणात्मक-भाषा-अध्यापनस्य
(4) व्यावहारिक-उपागमस्य (Approach)

145. अध्यापकरूपेण भवान् एवं जानाति यत् भवतां छात्राणां कृते पाठे भाषा अतिकठिनास्ति। भवान् भाषां सरलां करोति, छात्राणां आवश्यकतानुसारं विषयवस्तुन्यपि भवान् छात्राणां आवश्यकतानुसारं कानिचित् परिवर्तनानि करोति। भवता यत् कृतं तत् किं कथ्यते ?

(1) मूल्यांकनम् (2) पुनरावलोकनम् (3) स्वीकरणम् (4) अनुकूलनम्

146. तानि कथनानि यानि ज्ञानम्, कौशलम्, प्रवृत्तीश्च वर्णयन्ति, येषां च उपलब्धि: विशिष्ट कक्षाया: पाठ्यक्रमस्य वा अन्ते भवितव्या, निम्नलिखितेषु कस्य अन्तर्गतं आयान्ति ?

(1) संख्या – परिणामे
(2) आधारभूतसाक्षरता–परिणामे
(3) अध्यापन (Outcome) परिणामे
(4) अधिगम – परिणामे

147. भाषिकक्षमता छात्रान् समर्थान् करोति –

(1) एतद् ज्ञातुं यत् कदा उपयुक्ता भाषा भाषितव्या
(2) अधिकाधिकं आंग्लभाषां वक्तुम्
(3) व्याकरणदृष्ट्या शुद्धं वा अशुद्धं वाक्यामिति निर्णेतुम्
(4) व्याकरणदृष्ट्या अशुद्धमपि वाक्यं सप्रवाहं वक्तुम्

148. प्राथमिकस्तरे अध्यापक: प्राय: छात्रान् रङ्गसज्जायै, चित्रकारितायै च प्रेरयति यत: एतत्कार्यं निम्नलिखितं प्रोत्साहयति।

(1) छात्राणां मनोरञ्जनम्।
(2) अध्यापकं अध्यापनकार्यात् विश्रान्तुम्।
(3) कक्षायां छात्रान् मौनं रक्षितुम्।
(4) उत्तमयान्त्रिककौशलं वर्धयितुम्।

149. त्वं ग्रामे जात: परिवर्धित: अपि यत्र प्रत्येकजन: हिन्दी–भाषां भाषते स्म। त्वं यदा विद्यालयं अगच्छ: त्वया आंग्लभाषा, संस्कृतं, हिन्दी, उर्दू भाषा शिक्षिता। इदानीं त्वं आंग्लभाषां अतिप्रवाहेण ब्रवीषि। इदानीं तव प्रथमा भाषा काडस्ति ?

(1) उर्दूभाषा (2) संस्कृतभाषा (3) आंग्लभाषा (4) हिन्दीभाषा

150. यदा भाषा प्राकृतिकरूपेण व्यवस्थितं अभ्यासं विना शिक्ष्यते, एतत् कथ्यते __________।

(1) स्वीकृति: (2) अधिगम: (3) पाण्डित्यम् (4) अधिग्रहणम्

- o O o -

SPACE FOR ROUGH WORK

**अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया :**

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति। प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम्।
2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकायाः **पृष्ठे-2** केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण **नील (Blue/Black)**-बाल-पाइन्ट-लेखन्या प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तरांकनादनन्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।
3. परीक्षार्थिभिः उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।
4. परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव।
5. परीक्षापुस्तिकायाम् उत्तरपत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।
6. ओ.एम.आर. (OMR) उत्तरपत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति। अतः कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात्। तथैव प्रवेशपत्रस्यसूचनातः भिन्ना सूचना न प्रदेया।
7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।
8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच अफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि। एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्त कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति। परीक्षातः निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति।
9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।
10. केन्द्र-अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।
11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।
12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।
13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।
14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।
15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तरपत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमाम् प्रश्नपुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

## निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

## READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue / Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***